निदेशकों की रिपोर्ट

31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए परीक्षित लेखों, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट एवं लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों सहित कंपनी की तृतीय वार्षिक रिपोर्ट निदेशक सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

एअर इंडिया लिमिटेड के वित्तीय वर्ष 2009-10 के परिणामों पर संक्षिप्त पृष्ठभूमि के रूप में वैश्विक एवं भारत में नागर विमानन परिदृश्य का विश्लेषण नीचे दिया गया है।

1. नागर विमानन परिदृश्य

विश्व

2009

एशिया, लेटिन अमेरीका तथा मध्य पूर्व के उभरते बाजारों में वृद्धि होने के साथ ही वर्ष 2009 के अंत तक एयरलाइन के बाज़ार में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। यूरोप तथा उत्तरी अमरीका की एयरलाइनों के विशाल विकसित बाज़ारों में अत्यंत धीमी गति से वृद्धि हुई। मजबूत वर्ष की सहायता से आयटा ने वर्ष 2009 की अनुमानित निवल हानि 11 बिलियन अमरीकी डॉलर से घटाकर 9.4 बिलियन अमरीकी डॉलर कर दी।

वर्ष 2009 की द्वितीय छमाही के दौरान यात्रियों में 12% तथा कार्गो में 28% की वार्षिक दर से मांग में भारी वृद्धि हुई। वर्ष के अंत में क्षमता में कटौती होने पर भी हवाई यात्रा तथा हवाई मालवहन मांग में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप यात्री तथा मालवहन लोड फैक्टर में मंदी से पूर्व के स्तर तक वृद्धि हुई। यद्यपि इकॉनोमी सीटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या वर्ष 2008 में यात्रा करने वाले यात्रियों की उच्चतम संख्या के 3% के भीतर थी, प्रीमियम यात्रा में इसके पिछले स्तर से 17% तक कमी आई। किरायों में वृद्धि हुई यद्यपि वर्ष 2008 के आरंभ में भी प्रीमियम राजस्व में 30% तक तथा इकॉनोमी राजस्व में 16% तक कमी आई थी।

2010

आयटा के नवीनतम विमानन पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2010 में एयरलाइनों को 8.9 बिलियन डॉलर का वैश्विक लाभ होने की संभावना है।

वर्ष 2010 में औद्योगिक राजस्व 560 बिलियन डॉलर होने का पूर्वानुमान है। यह वर्ष 2009 के 483 बिलियन डॉलर से अधिक है परंतु वर्ष 2008 में प्राप्त किए 564 बिलियन डॉलर से कुछ कम है। आयटा के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था भारी संकट से तेजी से उबर रही है जिसका अनुमान नहीं किया गया था। मजबूत यातायात वृद्धि से एयरलाइनें लाभान्वित हो रही हैं जिससे इंडस्ट्री को लाभ रहा है।

वर्ष 2008-09 में आई महामंदी के बाद से हवाई यात्रा में सुधार हुआ तथापि आईलैंड के इयाज़ाफज़लाजोकुल ज्वालामुखी फटने के बाद यूरोपियन एयरस्पेस के बंद होने से अप्रैल, 2010 में इसमें गिरावट आई। यह अनुमान लगाया गया कि आइसलैंडिक ज्वालामुखी संकट ने एयरलाइनों को राजस्व में 1.7 बिलियन डॉलर से अधिक का घाटा दिया।

पूर्वानुमान विशेषताएं:

यातायात : वर्ष 2010-11 में यात्री यातायात में 7.1% तक की वृद्धि होने का अनुमान है जबकि कार्गो यातायात के 8.5% तक बढ़ने की संभावना है। प्रथम तिमाही में, उद्योग में यात्रियों की 9% तथा कार्गो की 26% की वार्षिक दर पर वृद्धि हुई थी। कार्गो में अधिकतम वृद्धि इंवेंटरी री-स्टॉकिंग से जुड़ी है।

लाभ : लाभ के पूर्वानुमान के अनुसार अब कार्गो तथा यातायात व्यवसाय में 4.5% तक की वृद्धि होगी। 4.5% की दर उपभोक्ता मुद्रास्फीती से कुछ अधिक है। इससे वर्ष 2010 के लिए राजस्व पूर्वानुमान में 13% की वृद्धि हुई। वृद्धि के बावजूद राजस्व में वर्ष 2008 की चरम सीमा से 4% तक कमी है।

लोड फैक्टर : वैश्विक प्रणाली में 1340 विमानों के साथ नई क्षमता जोड़ी जाएगी जिनका वर्ष 2010 में विमान बेड़े में शामिल होना निर्धारित है। इनमें से लगभग 500 प्रतिस्थापित विमान हैं जबकि शेष नए विमान होंगे। लंबी दूरी की उड़ान उपयोगिता में कमी के परिणामस्वरूप अंतर्निहित क्षमता भी मौजूद है जो संकट-पूर्व स्तर से कई प्रतिशत प्वाइंट कम है। संभावना है कि वर्ष की समाप्ति तक 10.2% (यात्री तथा कार्गो) का औसत सुधार प्राप्त कर लिया जाएगा और क्षमता में 5.4% की वृद्धि होगी। इससे लोड फैक्टर को सहायता मिलेगी जो प्रथम तिमाही के अधिकांश समय रिकार्ड स्तरों के नजदीक रहेगा।

ईंधन : ईंधन लागत पहले पूर्वानुमानित अपेक्षाओं के अनुसार है। आयटा ने वर्ष 2010 में 79 डॉलर/बैरल की औसतम वार्षिक तेल कीमत की अपनी संभावना बनाए रखी है।

भारत

भारत वैश्विक विमानन बाज़ार में बहुत तेजी से मुख्य वाहक बनता जा रहा है। क्रय क्षमता में वृद्धि, निम्न लागत वाहकों के कम हवाई किराए, व्यवसाय तथा पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत का उदभव अधिक आउटबाउंड यात्रा ने भारतीय विमानन को विकास की ओर उन्मुख किया है।

वर्ष 2009-10 के लिए भारत से आने-जाने वाले निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री वहन में वर्ष 2008-09 की तुलना में 8.8% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि घरेलू वहन में 15.6% की वृद्धि हुई। वर्ष 2009-10 के दौरान, अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू वहन क्रमशः 34.37 मिलियन तथा 44.68 मिलियन रहा। जनवरी-सितम्बर, 2010 के दौरान घरेलू एयरलाइनों द्वारा वर्ष 2009 की इसी अवधि में किए गए 31.48 मिलियन यात्री वहन की तुलना में 37.32 मिलियन यात्रियों का वहन किया गया जिससे 18.5% की वृद्धि दर्ज की गई है। घरेलू बाज़ार में कम किराए वाले वाहकों का वर्चस्व विमानन उद्योग पर निरंतर छाया हुआ है।

वर्ष 2009-10 के दौरान भारतीय एयरपोर्टों द्वारा हैंडल किए गए अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू कार्गो में वर्ष 2008-09 की तुलना में क्रमशः 10.5% तथा 24.3% (वर्ष दर वर्ष अब तक रिकार्ड की गई उच्चतम वृद्धि) की वृद्धि हुई।

वर्ष 2010 तथा इसके आगे के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8% से 8.5% के बीच वृद्धि होने की अपेक्षाओं के साथ भारत में तथा भारत से बाहर जाने वाले हवाई यात्रा की मांग में निरंतर वृद्धि होगी। एयरबस के साथ-साथ बोईंग के आंकड़ों के अनुसार आने वाले 20 वर्षों में लगभग 1000 वाणिज्यिक विमानों की आवश्यकता होगी ताकि भारत में बढ़ते हुए यातायात की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके।

ढांचागत संरचना : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने 35 गैर-मैट्रो एयरपोर्टों के विकास की ज़िम्मेदारी उठाई है। इनमें से 9 एयरपोर्टों पर कार्य पूर्ण हो गए हैं तथा यहां प्रचालन शुरू हो गया है। अन्य परियोजनाएं प्रगति पर हैं तथा इनके वर्ष 2010-11 तक पूरे होने की संभावना है। बुनियादी संरचना समिति ने 35 गैर-मैट्रो एयरपोर्टों में से 24 एयरपोर्टों की पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से सिटी-साइड विकास के लिए पहचान की है।

इसके अतिरिक्त, 11 नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्टों की भी पहचान की गई ताकि मौजूदा एयरपोर्टों से यात्री लोड को कम किया जा सके।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा घोषित विज़न 2020 में 280 मिलियन यात्रियों की सहायता के लिए बुनियादी संरचना बनाने पर बल दिया गया है।

वर्ष 2020 तक 110 बिलियन अमरीकी डॉलर तक निवेश करने पर विचार किया गया है (मौजूदा एयरपोर्टों के विकास तथा उनकी साज-सज्जा के लिए लगभग 30 बिलियन अमरीकी डॉलर तथा नए विमान बेड़े के लिए 80 बिलियन अमरीकी डॉलर)

टी-3 टर्मिनल

नए एकीकृत यात्री टर्मिनल भवन (टर्मिनल टी-3) का उद्घाटन दिनांक 3 जुलाई, 2010 को माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किया गया था। साज-सज्जा तथा तकनीक का बेहतरीन नमूना, टी-3 5,02,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है जिसका निर्माण दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट (प्रा.) लिमिटेड (डायल) ने किया है। आकर्षक डिज़ाइन, विस्तृत स्थान तथा अत्याधुनिक प्रणालियों के साथ इस नौ मंज़िला टर्मिनल बिल्डिंग से प्रति वर्ष 34 मिलियन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराने का अनुमान है। टी-3 की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

- उड़ान सूचना की ताज़ा जानकारी देने के लिए बड़े एलसीडी मॉनीटर।
- 168 चैन-इन काउंटर।
- नवीनतम तकनीक का प्रयोग करके तैयार की गई पूर्णतः ऑटोमेटिड फाइव-लेवल इन-लाइन बैगेज हैंडलिंग प्रणाली जिसके माध्यम से 640 मीटर की कन्वेयर बेल्ट पर एक घंटे में सामान के 12,800 नगों को स्क्रीन किया जा सकता है। 14 बैगेज रीक्लेम बेल्ट पर शीघ्र सामान पाने की सुविधा।
- 95 इमीग्रेशन काउंटरों पर तुरंत क्लीयरेंस की सुविधा।
- 92 ऑटोमैटिक ट्रैवलेटर्स, 63 एलीवेटर्स की सुविधा।
- बोर्डिंग के लिए 78 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज (पीबीबी) या एयरोब्रिज उपलब्ध है। 90 प्रतिशत से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। एयरोब्रिज व्हीलचेयर को सरल और सुरक्षित रूप से विमान में चढ़ाने और उतारने में सुविधा प्रदान करेंगे । एक पीबीबी का प्रयोग करके एक घंटे में लगभग 600 यात्री विमान में चढ़ सकते हैं।
- टर्मिनल बिल्डिंग के प्रवेश द्वार के दोनों ओर एयरलाइन टिकटिंग काउंटर।
- चलने-फिरने में कठिनाई महसूस करने वाले यात्रियों (पीआरएम) के लिए स्वागत डैस्क जहां से व्हीलचेयर के लिए अनुरोध किया जा सकता है।
- चौबिस घंटे डॉक्टर और नर्सिंग सहायक सहित पूर्ण रूप से सुसज्जित सहायता कक्ष।

2. निष्पादन की समीक्षा - विशिष्टताएं

2.1 कंपनी के निष्पादन की समीक्षा :

2.2 वित्तीय निष्पादन :

वर्ष 2009-10 के दौरान कंपनी का वित्तीय निष्पादन निम्नानुसार रहा :

(रुपए मिलियन में)

विवरण	2009-10	2008-09
मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ / (हानि)	(41611.1)	(59627.4)
घटाकर : मूल्यह्रास	13897.9	12258.9
कर पूर्व लाभ / (हानि)	(55509.0)	(71886.3)
घटाकर : कर के लिए प्रावधान	15.4	148.1
जोड़कर : आस्थगित कर लाभ	-	16551.8
निवल लाभ / (हानि)	(55524.4)	(55482.6)

2.3 वास्तविक निष्पादन :

विवरण	इकाई	2009-10	2008-09
ए एस के एम (अनुसूचित सेवाएं)	मिलियन	44723	43591
ए एस के एम (कुल)	मिलियन	45748	44691
पी के एम (अनुसूचित सेवाएं)	मिलियन	28965	25950
पी के एम (कुल)	मिलियन	29448	26436
ए टी के एम (अनुसूचित सेवाएं)	मिलियन	6053	5602
ए टी के एम (कुल)	मिलियन	6179	5755
आर टी के एम (अनुसूचित सेवाएं)	मिलियन	3533	3191
आर टी के एम (कुल)	मिलियन	3576	3235
यात्री भार घटक	%	64.8	59.5
कुल भार घटक	%	58.4	57.0
वहन किए गए यात्रियों की संख्या (अनुसूचित सेवाएं)	मिलियन	11.75	10.36
वहन किए गए यात्रियों की संख्या (कुल)	मिलियन	11.97	10.50
मालवहन	टन	154752	141966
विमान उपयोग (प्रति विमान)	राजस्व घंटे	3511	3468
कुल राजस्व उड़ान घंटे	संख्या	359778	372285

3. अन्य वित्तीय सूचना

3.1 शेयर पूंजी :

प्राधिकृत शेयर पूंजी

कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 5000,05,00,000/- रुपए है (जो 10/- रुपए प्रति के 4,87,56,45,020 इक्विटी शेयरों एवं 100 रुपए प्रति के 1,24,40,498 प्रिफरेंस शेयरों में विभाजित है)।

जारी, अभिदत्त एवं प्रदत्त शेयर पूंजी

कंपनी की जारी, अभिदत्त एवं प्रदत्त शेयर पूंजी 945,00,00,000/- रुपए है (जो 10/- रुपए प्रति के 94,50,00,000/- पूर्ण रूप से प्रदत्त इक्विटी शेयरों में विभाजित है) उपर्युक्त में से 800,05,00,000/- रुपए की राशि नकद प्राप्त की गई है।

3.2 विमान परियोजना ऋण :

31 मार्च 2010 को विदेशी मुद्रा उधार की स्थिति जिसमें भविष्य की लीज़ के लिए देयता शामिल है, निम्नानुसार थी:

(रुपए मिलियन में)

01 अप्रैल, 2009 को कुल ऋण देय	1,45,985.9
जोड़कर: अप्रैल 2009 से मार्च 2010 के दौरान ली गई राशि	87,298.9
घटाकर: अप्रैल, 2009 से मार्च 2010 के दौरान भुगतान की गई राशि	17,472.6
घटाकर: मुद्रा की दरों में परिवर्तन के कारण विनिमय समायोजन	16,825.7
31 मार्च, 2010 को शेष	1,98,986.5

3.3 वार्षिक योजना परिव्यय 2009-10

सरकार ने वर्ष 2009-10 के लिए 81,656.4 मिलियन रुपए के वार्षिक योजना परिव्यय को अनुमोदित किया है। उक्त परिव्यय की तुलना में वर्ष के दौरान वास्तविक व्यय 76,118.1 मिलियन रुपए था जिसका विवरण निम्नानुसार है :

(रुपए मिलियन में)

	अनुमोदित	वास्तविक
विमान परियोजना		
विमान/अतिरिक्त इंजन निर्माताओं को भुगतान	77,750.4	70,738.9
पूंजीगत किए जाने वाला ब्याज	1,406.0	4,577.4
गैर-विमान परियोजनाएं		
अन्य पूंजीगत व्यय	2,500.0	801.8
कुल योजना परिव्यय	81,656.4	76,118.1

3.4 वार्षिक योजना परिव्यय 2010-11

वर्ष 2010-11 के लिए वार्षिक योजना परिव्यय 56,348.0 मिलियन रुपए है जिसमें सरकार से प्राप्त 12,000.0 मिलियन रुपए की इक्विटी सम्मिलित है। एअर इंडिया ने सितम्बर, 2010 तक 19,034.8 मिलियन रुपए खर्च किए हैं।

सितम्बर, 2008 से जून, 2011 तक पहले बी787-8 विमान की सुपुर्दगी न मिलने के कारण, इस परियोजना के लिए बोईंग कंपनी को दिए जाने वाले अग्रिम भुगतान की तिथियों को पुनः निर्धारित किया गया तथा इस मद के लिए जनवरी, 2008 से कोई अग्रिम भुगतान नहीं किया गया।

3.5 ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना - 2007-08 से 2011-12 :

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के लिए नागर विमानन मंत्रालय ने 327,307.1 मिलियन रुपए के परिव्यय को अनुमोदित किया है जिसका ब्योरा इस प्रकार है :

(रुपए मिलियन में)

विमान परियोजनाएं	316,033.8
गैर-विमान परियोजनाएं	11,273.3
कुल योजना परिव्यय	**327,307.1**

4. एअर इंडिया (एआई) तथा इंडियन एयरलाइन्स (आईसी) का नैसिल के साथ समामेलन

विलय की वर्तमान स्थिति

पूर्व एअर इंडिया तथा इंडियन एयरलाइन्स के व्यवसायों का एकीकरण होने से एकीकृत नेटवर्क के निर्माण, समान प्रक्रियाओं तथा समान सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली पर विचार किया गया। अब तक निम्नलिखित एकीकरण पहल पर प्रगति की गई :

- नेटवर्क/समय-सारणी का उत्तरोत्तर एकीकरण
- विमान बेड़े के परस्पर उपयोग में वृद्धि
- संयुक्त प्रापण के लिए लिवरेजिंग स्केल (ईंधन, बीमा आदि)
- पीएसएस परियोजना आरंभ करना (मार्च, 2011 में इस प्रणाली के लागू होने के साथ ही एयरलाइन के लिए एकल कोड होगा)

दोनों पूर्व एयरलाइनों की मानव शक्ति को अभी एकीकृत किया जाना है। मानव शक्ति के लंबित एकीकरण कार्यों को सुगमता से पूरा करने के लिए एचआर ट्रांसफोर्मेशन तथा एकीकरण कार्य योजनाएं मानव संसाधन बोर्ड की उप समिति द्वारा अनुमोदित कर दी गई है तथा इस पर कार्य आरंभ कर दिया गया है।

पीएसएस परियोजना के लागू होने तथा राजस्व प्रबंधन, हब नियंत्रण, उड़ान योजना, क्रू प्रबंधन, एमआरओ आईटी तथा ईआरपी के क्षेत्रों में अन्य मुख्य सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाएं कंपनी को बेहतरीन एयरलाइन्स बनाने के साथ-साथ प्रक्रियाओं तथा प्रणालियों का बैंच-मार्क बनाएंगी तथा एकीकरण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाएंगी।

नाम में परिवर्तन

नागर विमानन मंत्रालय ने दिनांक 15 सितम्बर, 2008 के अपने पत्र संख्या एवी.18013/01/2006-एआई के माध्यम से सूचित किया है कि भारत सरकार के निर्णयानुसार "नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड" का नाम बदलकर "एअर इंडिया लिमिटेड" कर दिया गया है।

तदनुसार दिनांक 24 नवम्बर 2010 से "नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड" का नाम बदल कर "एअर इंडिया लिमिटेड" कर दिया गया है।

5. स्वतंत्र निदेशक

निगमित स्तर पर कंपनी के निर्णय लेने की प्रक्रिया को और अधिक महत्त्वपूर्ण बनाने के साथ-साथ निगमित प्रबंधन को मजबूती प्रदान करने के लिए कंपनी के बोर्ड में निम्नलिखित स्वतंत्र निदेशक शामिल किए गए हैं :

1. श्री आनंद जी महिन्द्रा, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड
2. डॉ. अमित मित्रा, महा सचिव, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
3. श्री हर्षवर्धन नियोटिया, अध्यक्ष, अम्बूजा रियलिटी डेवलपमेंट लिमिटेड
4. एयर चीफ मार्शल फली एच मेजर (सेवानिवृत्त)
5. श्री युसुफअली एम.ए., प्रबंधन निदेशक, ईएमकेई ग्रुप, अबु धाबी

6. सांविधिक अनुपालन

कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली निम्नलिखित कंपनियां हैं :

एअर इंडिया एअर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज़ लिमिटेड
एअर इंडिया चार्टर्स लिमिटेड
एअर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज़ लिमिटेड

एयरलाइन एलाइड सर्विसेज़ लिमिटेड
भारतीय होटल निगम लिमिटेड
आईएएल एयरपोर्ट सर्विसेज़ लिमिटेड
वायुदूत लिमिटेड

7. निदेशकों के दायित्व संबंधी वक्तव्य

कंपनी का निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि :

- वार्षिक लेखों को तैयार करते समय लागू लेखांकन मानकों का अनुसरण किया गया है तथा जहां भी कोई बदलाव है वहां आवश्यक स्पष्टीकरण दिए गए हैं;
- लेखों पर टिप्पणियों में दर्शाए गए तथ्यों को छोड़कर चयनित लेखांकन नीतियां संगत रूप से लागू की गई हैं एवं 31 मार्च, 2010 को कंपनी के कार्यों की स्थिति एवं इस तिथि को समाप्त अवधि के लिए कंपनी के लाभ एवं हानि के सही एवं निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से निदेशकों के निर्णय एवं आकलन उचित एवं विवेकपूर्ण हैं;
- कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने एवं धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को रोकने एवं पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसरण में पर्याप्त लेखांकन रिकार्ड बनाए रखने के लिए उचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई है; और
- वार्षिक लेखे गोइंग कंसर्न आधार पर तैयार किए गए हैं।

8. औद्योगिक संबंध

वर्ष 2009-10 में पीएलआई और उड़ान से संबंधित भत्तों (निर्वाह भत्ते सहित) को समाप्त/संशोधित करने के प्रबंधवर्ग के निर्णय के विरूद्ध कार्यपालक पायलटों ने संयुक्त रूप से स्वयं को बीमार घोषित कर 25 सितम्बर, 2009 की अपराह्न से आंदोलन किया जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू उड़ानों में बाधा पहुंची। तथापि 30 सितम्बर की शाम / 1 अक्तूबर, 2009 की सुबह तक स्थिति सामान्य हो गई। उक्त को छोड़कर 2009-10 के दौरान मानव शक्ति के साथ संबंध मैत्रीपूर्ण रहे।

इसके अतिरिक्त दिनांक 2 जुलाई 2009 के कार्यालय आदेश जिसमें यूनियनों/संगठनों के कार्यालय वाहक के पदों पर आसीन कर्मचारियों को सूचित किया गया था कि वह अपनी उन टिप्पणियों के साथ जनता के बीच जाना बंद करें जिससे कंपनी की छवि और राजस्व अर्जन की संभावनाओं को नुकसान पहुंचता हो, के विरूद्ध दिनांक 25 मई, 2010 की सुबह ऑल इंडिया एयरक्राफ्ट इंजीनियर्स एसोसिएशन (एआईएई) सहसा हड़ताल पर चली गई तथा लगभग दोपहर तक एयर कॉरपोरेशन इम्पलाईज़ यूनियन (एसीईयू) भी उनकी सहानुभूति में हड़ताल में शामिल हो गई।

अनेक उड़ानों को रद्द/संयोजित किया गया तथा कंपनी को अपनी उड़ानों पर टिकटों की बुकिंग तुरंत रोकने के साथ-साथ उड़ान शेड्यूल में कटौती करनी पड़ी। इस अचानक हुई हड़ताल से न केवल कंपनी के राजस्व को हानि पहुंची अपितु हमारे अनेक महत्त्वपूर्ण यात्रियों को अत्यधिक असुविधा तथा परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रबंधन ने उपर्युक्त कार्रवाई पर गंभीर रुख अपनाते हुए 55 कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी, 24 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया तथा 13 कर्मचारी, जो पदोन्नति पर परिवीक्षा अवधि में थे, को प्रत्यावर्तित करके उनके मूल पद पर पदावनत कर दिया।

दिनांक 28 मई, 2010 की सुबह तक सभी क्षेत्रों में स्थिति सामान्य हो गई थी।

9. निगमित सामाजिक दायित्व

9.1 पर्यावरण सुरक्षा

कंपनी ग्रीन एयरलाइन बनने के लिए कृत संकल्प है तथा इस उद्देश्य के लिए वह दो स्तरों पर कार्य कर रही है - ईंधन खपत में बचत को प्राप्त करना तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी। ग्रीन पहल के लिए गठित शीर्ष समिति प्रचालन दक्षता, ईंधन प्रबंधन तथा उत्सर्जन में कमी के सभी मुद्दों को मॉनीटर करती है।

ईंधन बचत

यद्यपि वर्ष 2008-09 की कुल ईंधन बचत 57,381,004 कि.ग्रा. थी तथापि वर्ष 2009-10 में यह बचत बढ़कर 76,939,253 कि. ग्रा. हो गई। यह बचत कंपनी द्वारा अपनाई गई अत्यधिक सफल ऊर्जा नीति के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई। नई नीति प्रचालनात्मक तकनीक, उपकरण विन्यास तथा उसके प्रयोग, ईंधन प्रबंधन, उड़ान योजना, इंजन अनुरक्षण, केबिन वेट प्रबंधन आदि में अनिवार्य परिवर्तन करने पर विचार करती है। सितम्बर, 2008 (जब ईंधन दक्षता उपाय आरंभ किए गए थे) से मार्च, 2010 की अवधि तक ईंधन लागत में प्राप्त की गई वास्तविक बचत 2484.0 मिलियन रुपए थी।

उत्सर्जन में कमी

प्रचालनात्मक क्षेत्रों में अपनाई गई विभिन्न पद्धतियों ने कंपनी के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायता की। सितम्बर, 2008 से मार्च, 2010 तक कार्बन डाइऑक्साइड में प्राप्त कुल बचत 242,358,648 कि.ग्रा. थी। यूरोपियन यूनियन ट्रेडिंग स्कीम (ईटीएस) ने विमानन उद्योग के लिए निर्णय लिया है कि यूरोपियन यूनियन से प्रारंभ होने वाली या वहां जाने वाली सभी उड़ानें इस योजना के अंतर्गत होंगी। एअर इंडिया ने अगस्त, 2009 में वार्षिक उत्सर्जन तथा टन किलोमीटर मॉनीटरिंग के लिए ईटीएस द्वारा अपेक्षित योजना प्रस्तुत कर दी है।

9.2 लघु औद्योगिक इकाईयों को प्रोत्साहन/सहायता

समय-समय जारी सरकारी मार्ग-निदेशों के अनुसार, कंपनी ने लघु औद्योगिक इकाईयों/सामाजिक कल्याण/धर्मार्थ संगठनों को सहायता जारी रखी। वर्ष के दौरान एसएसआई इकाईयों से लगभग 19.7 मिलियन रुपए का प्रापण किया गया तथा अन्य सामाजिक/धर्मार्थ संगठनों से 6.8 मिलियन रुपए का प्रापण किया गया।

10. राजभाषा कार्यान्वयन

कार्यालय में हिन्दी प्रचार-प्रसार की मॉनीटरिंग के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 57 राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित की गई। इन समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गई।

अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना कार्य हिन्दी में करने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से 06 हिन्दी कार्यशाला प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में 93 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 118 कर्मचारियों को हिन्दी भाषा (प्राज्ञ एवं प्रवीण) में प्रशिक्षित किया गया।

इसी प्रकार नागर विमानन मंत्रालय ने भी मदुरै, चेन्नै, जयपुर, उदयपुर, गोवा, जामनगर, अहमदाबाद, पुणे, मुंबई, हैदराबाद एवं औरंगाबाद स्टेशनों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया। राजभाषा विभाग द्वारा भी इस अवधि के दौरान 06 स्टेशनों एवं 10 विभागों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) औरंगाबाद द्वारा ए.आई. के औरंगाबाद स्टेशन को हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु पुरस्कार से सम्मानित किया गया। औरंगाबाद स्टेशन लगातार चार वर्षों से इस पुरस्कार को प्राप्त कर रहा है। इसी प्रकार नराकास द्वारा सी.टी.ई. हैदराबाद को वर्ष 2009-10 के लिए हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुंबई महानगर की सुप्रसिद्ध साहित्यिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्था "आशीर्वाद" द्वारा 19 नवम्बर, 2010 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर वर्ष 2009-10 के लिए मुंबई में भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (बड़े) की श्रेणी में कंपनी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही एअर इंडिया में राजभाषा प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एसबीयू प्रमुख-संबद्ध व्यवसाय एवं राजभाषा प्रमुख श्री आमोद शर्मा को राजभाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

11. आरक्षण नीति का कार्यान्वयन

वर्ष 1975 में जारी राष्ट्रपति के निदेशों एवं 1991 से प्रभावी संशोधित निदेशों के अनुसार आरक्षण नीति कार्यान्वित की गई है।

अ.जा./अ.ज.जा/अन्य पिछड़ा वर्ग - 31 मार्च 2010 को कर्मचारियों की संख्या

कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.जा. के कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.जा. के कर्मचारियों का प्रतिशत	अ.ज.जा. के कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.ज.जा. के कर्मचारियों का प्रतिशत	अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की कुल संख्या	अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिशत
29630	6046	20.40	2032	6.86	1371	4.63

12. निगमित प्रबंधन

कंपनी के निगमित प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य अपने प्रचालन के सभी क्षेत्रों में उत्तदायित्व, पारदर्शिता, जिम्मेवारी एवं निष्पक्षता के उच्चतर स्तरों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। कंपनी अपने अंशधारकों, ग्राहकों, ऋणदाताओं, कर्मचारियों एवं समाज को संरक्षण एवं दीर्घकालिक लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी प्रमुख रूप से समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझती है एवं इन्हें पूरा कर ने के लिए विभिन्न पहले आरंभ की है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी प्रतिस्पर्धात्मक निगमित स्ट्रेटजीस, विवेकपूर्ण व्यापार योजनाओं, स्ट्रेटजीस, मॉनीटरिंग तथा जोखिमों को कम करने की कार्यविधियों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रही, साथ ही लोगों, औचित्य, इक्विटी एवं निष्पक्षता को महत्व देने वाले संगठन में नियंत्रण एवं संतुलन भी बनाए रखा। कंपनी उपर्युक्त व्यापार नीतियों का अनुसरण करते हुए अपना कार्य पारदर्शी रूप से कर रही है। कंपनी अपने सभी कार्यों में निगमित संचालन के सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रही है।

सत्यनिष्ठा संधि कार्यक्रम 8 फरवरी, 2008 से कार्यान्वित किया गया जिसके तहत 100 मिलियन रुपए तथा उससे अधिक राशि के सभी करारों के संबंध में सत्यनिष्ठा संधि करना अनिवार्य कर दिया गया।

अपने कार्यों में बेहतरीन निगमित प्रबंधन एवं पारदर्शिता लाने के लिए बोर्ड ने मार्च, 2010 में स्वतः निदेशों के आने के बाद विभिन्न समितियों का निम्नानुसार पुनर्गठन किया :

1) वित्तीय समिति

वित्तीय समिति के सदस्य हैं :

श्री अरविन्द जाधव	अध्यक्ष
श्री आनंद महिन्द्रा	सदस्य
डॉ. अमित मित्रा	सदस्य

श्री युसुफ अली एम.ए.	सदस्य
श्री ई.के. भारत भूषण	सदस्य
निदेशक - वित्त	सदस्य

इस समिति के विचारार्थ विषय हैं :

- कंपनी की कार्य पूंजी अपेक्षाओं की समीक्षा करना तथा उसे अनुमोदित करना
- नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) स्थिति की समीक्षा करना
- कंपनी के राजस्व व्यय बजट एवं पूंजी बजट की समीक्षा करना और उसे अनुमोदित करना
- मुख्य परियोजनाओं के लिए वित्तीय व्यवस्थाओं की समीक्षा और उसका अनुमोदन करना।
- बोर्ड द्वारा निश्चित किए गए कोई अन्य मामले।

2) मानव संसाधन (एचआर) समिति

श्री अरविन्द जाधव	अध्यक्ष
डॉ. अमित मित्रा	सदस्य
श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य
एसीएम फली एच.मेजर (सेवानिवृत्त)	सदस्य
श्री प्रशांत सुकुल	सदस्य
निदेशक - कार्मिक	सदस्य

इस समिति के विचारार्थ विषय हैं :

- पूर्व एअर इंडिया लिमिटेड एवं इंडियन एयरलाइन्स लिमिटेड के मानव संसाधन एकीकरण की समीक्षा एवं निरीक्षण करना;
- कंपनी के कर्मचारियों के लिए सेवा विनियमों एवं स्थायी आदेशों की समीक्षा करना एवं उसे अंतिम रूप देना;
- भर्ती एवं पदोन्नति नीति, पैसेज विनियम एवं चिकित्सा नीति की समीक्षा करना एवं उसे अंतिम रूप देना;
- मानव शक्ति तथा प्रोडक्टीविटी लिंक्ड इन्सेंटिव्स/वेतन नीति को युक्ति संगत बनाना;
- तकनीकी/प्रचालनात्मक मामलों पर सभी समझौतों की समीक्षा करना;
- विदेश में तैनाती नीति की समीक्षा करने तथा उसे अंतिम रूप दिए जाने के साथ-साथ कार्यपालक निदेशक स्तर के पदों को भरने के लिए चयन समिति के रूप में कार्य करना;
- बोर्ड द्वारा निश्चित किए गए कोई अन्य मामले।

3) नीतिगत समिति

श्री अरविन्द जाधव	अध्यक्ष
श्री आनंद महिन्द्रा	सदस्य
डॉ.अमित मित्रा	सदस्य
श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य
एसीएम फली एच.मेजर (सेवानिवृत्त)	सदस्य
श्री युसुफ अली एम.ए.	सदस्य
श्री ई.के. भारत भूषण	सदस्य
श्री प्रशांत सुकुल	सदस्य
निदेशक - वित्त	सहयोजित सदस्य
मुख्य प्रचालन अधिकारी	सहयोजित सदस्य
का. निदेशक - वाणिज्य	सहयोजित सदस्य

इस समिति के विचारार्थ विषय हैं :

- सभी मार्गों का समीक्षात्मक विश्लेषण करना तथा हानि देने वाले उन मार्गों को हटाने पर विचार करना जो निरंतर आधार पर नकद लागत को पूरा करने में असमर्थ हैं;
- सभी मार्गों पर प्रचालनों को युक्ति संगत बनाना तथा मौजूदा मार्गों पर विमान एवं क्रू उपलब्धता के आधार पर, जहां आवश्यकता हो, उड़ानों को समेकित करना;
- मार्ग लाभप्रदता का आवधिक रूप से विश्लेषण करना तथा राजस्व वृद्धि एवं लागत कटौती पर जीओएम तथा सीओएस को किए गए वादों को मॉनीटर करना;
- विमान बेड़ा योजना, रीयल एस्टेट संपत्तियों की समीक्षा करना तथा बोर्ड द्वारा निश्चित किए गए कोई अन्य मामले।

4) लेखा परीक्षा समिति

श्री हर्षवर्धन नियोटिया	अध्यक्ष
श्री आनंद महिन्द्रा	सदस्य
श्री ई.के. भारत भूषण	सदस्य
श्री प्रशांत सुकुल	सदस्य
श्री अरविन्द जाधव	स्थायी रूप से आमंत्रित
निदेशक - वित्त	विशेष आमंत्रित
का. निदेशक - आंतरिक लेखा परीक्षा	विशेष आमंत्रित

इस समिति के विचारार्थ विषय है :

- बाह्य लेखा परीक्षक की नियुक्ति, लेखा परीक्षा शुल्क एवं उससे संबंधित सभी मामलों पर विचार करना;
- लेखा परीक्षक के लेखा परीक्षा की प्रकृति एवं क्षेत्र को आरंभ करने से पूर्व लेखा परीक्षक के साथ विचार-विमर्श करना तथा जब एक से अधिक लेखा परीक्षा फर्म सम्मिलित हों तो समन्वयन सुनिश्चित करना;
- अर्धवार्षिक तथा वार्षिक वित्तीय विवरणों को बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व उनकी समीक्षा करना;
- सांविधिक लेख परीक्षकों की रिपोर्ट और उस पर प्रबंधन की प्रतिक्रिया की समीक्षा करना तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों की सिफारिशों को लागू किया जाना सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना;
- बोर्ड द्वारा पृष्ठांकित करने से पूर्व आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर कंपनी के विवरण की समीक्षा करना;
- आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम की समीक्षा करना एवं आंतरिक एवं बाह्य लेखा परीक्षकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के साथ-साथ पता लगाना कि क्या आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम एयरलाइन्स व्यवसाय के आकार एवं प्रकृति के अनुरूप है तथा बोर्ड की इच्छानुसार अन्य किन्ही मामलों पर विचार करना।

13. दिनांक 31 मार्च, 2010 को निदेशक मंडल

श्री अरविन्द जाधव	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री आमोद शर्मा	एसबीयू प्रमुख - संबद्ध व्यवसाय
श्री अनुप कु. श्रीवास्तव	निदेशक (कार्मिक)
श्रीमती अनिता खुराना	एसबीयू प्रमुख (कार्गो)
श्री वी.के. शर्मा	एसबीयू प्रमुख-एमआरओ (इंजी. एवं कम्पो.)
श्री के.एम. उन्नी	एसबीयू प्रमुख-एमआरओ (एयरफ्रेम)
श्री एस. चंद्रशेखर	निदेशक (वित्त)
श्री आनंद महिन्द्रा	उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, महिन्द्रा एवं महिन्द्रा लिमिटेड
डॉ. अमित मित्रा	महासचिव, फिक्की
श्री हर्षवर्धन नियोटिया	प्रबंध निदेशक, बंगाल अंबुजा हाउसिंग डेवलपमेंट लिमिटेड
एसीएम फली एच. मेजर (सेवानिवृत्त)	पूर्व वायु सेना प्रमुख, भारतीय वायुसेना
श्री ई.के. भारत भूषण	अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, नागर विमानन मंत्रालय
श्री प्रशांत सुकुल	संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय

दिनांक 1 मार्च, 2010 से श्री एन.वघुल को निदेशक के पद से निवृत्त कर दिया गया। निदेशक मंडल श्री एन. वघुल द्वारा कंपनी को निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दी गई बहुमूल्य सेवाओं के लिए सराहना करता है। श्री युसुफ अली एम.ए. दिनांक 7 मई, 2010 से निदेशक मंडल में नियुक्त किए गए।

वर्ष 2009-10 के दौरान एयरलाइन संबंध अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए निदेशक मंडल की 10 बैठकें आयोजित की गई जिसमें अन्य के साथ-साथ विलय संबंधी मामले, स्टार एलाइंस की सदस्यता, विमानों का विक्रय एवं लीज़ बैक, एमआरओ संयुक्त उद्यम, बजट अनुमान-2009-10, हज प्रचालनों के लिए विमानों की वेट लीज़िंग, विमानों की फाइनेंसिंग, कंपनी की कार्यपूंजी अपेक्षाएं, यूनियनों के साथ समझौता ज्ञापन/वेतन समझौते, ए320 विमान की लीज़ रिटर्न, सैट्स के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन, प्राधिकृत शेयर पूंजी में वृद्धि, विमान फाइनेंसिंग के लिए ब्रिज लोन सुविधा, यात्री सेवा प्रणाली, वित्तीय पुनर्संरचना, नैसिल के लिए सरकारी सहायता, बी787 विमान की डिलीवरी, ऋण पुनर्संरचना के लिए परामर्शदाता की नियुक्ति, केन्द्रीय योजना एवं नियंत्रण प्रणाली लागू करना आदि विषयों पर चर्चा की गई।

14. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां

31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखों पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां एवं प्रबंधन के उत्तर इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

15. कर्मचारियों का विवरण

1975 में संशोधित कंपनी (कर्मचारियों का विवरण) नियमों के साथ पढ़ने पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 (2ए) के प्रावधानों के अनुसार सूचना निदेशकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शायी गई है।

16. लेखा परीक्षक

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा वर्ष 2009-10 के लिए मैसर्स पी.के. चोपड़ा एंड कं., चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली, मैसर्स छजेड एवं दोशी, चार्टर्ड एकाउंटेट्स, मुंबई तथा मैसर्स ठाकुर, वैद्यनाथन अय्यर एंड कंपनी, नई दिल्ली को संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया।

17. सावधानी संबंधी वक्तव्य

कंपनी के उद्देश्यों, योजनाओं, आकलनों, अपेक्षाओं का वर्णन करते हुए प्रबंधन के विचार-विमर्श एवं विश्लेषण संबंधी वक्तव्य लागू नियमों एवं विनियमों की सीमा में दूरदर्शी हो सके है। वास्तविक परिणाम अभिव्यक्त किए गए अथवा सूचित किए गए परिणामों से वास्तव में भिन्न हो सकते है। कंपनी के प्रचालनों को प्रभावित करने वाले कारकों में मांग/पूर्ति को प्रभावित कर रही आर्थिक स्थिति, घरेलू एवं विदेशी बाज़ार जहां कंपनी प्रचालन करती है, में मूल्य स्थितियां

सरकार की नीतियों, विनियमों कर-कानूनों तथा अन्य अधिनियमों में परिवर्तन एवं अन्य आकस्मिक कारक सम्मिलित हैं। एयरलाइन की लाभप्रदत्ता को प्रभावित करने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण निर्धारक ईंधन है जो इसकी कुल लागत का लगभग 26% है तथा इसके मूल्य में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन एयरलाइन की लाभप्रदत्ता को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त वैश्विक एवं आर्थिक कारक जैसे मंदी, ग्लोबल बाज़ार में मुद्रा संकट, भू-राजनैतिक स्थितियां तथा स्थिरता, यूएस डालर (जिसमें कंपनी के अधिकतर ऋण/व्यय होते हैं) में उतार-चढ़ाव भी कंपनी के निष्पादन को प्रभावित कर सकते हैं।

18. धन्यवाद प्रस्ताव

बोर्ड भारत एवं विदेश में कंपनी की सेवाओं का उपयोग कर रहे सम्माननीय ग्राहकों की हार्दिक सराहना करता है एवं आशा करता है कि उनका सहयोग एवं विश्वास प्राप्त होता रहेगा। बोर्ड कंपनी के सभी स्तर के कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सच्ची एवं निष्ठावान सेवाओं की भी विशेष सराहना करता है। बोर्ड भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों विशेष रूप से नागर विमानन मंत्रालय से कंपनी के प्रचालनों एवं विकास योजनाओं में प्राप्त सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त करता है। बोर्ड डी.जी.सी.ए., भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त मंत्रालय, निगमित कार्य मंत्रालय, सांविधिक लेखा परीक्षकों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, अन्य सरकारी विभागों, एयरलाइनों, एजेंटों, तेल कंपनियों, भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों एवं एक्ज़िम बैंक, यू एस ए तथा के एफ डब्ल्यू बैंक सहित बैंकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता./-
अरविन्द जाधव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई
दिनांक : 24 दिसम्बर, 2010